The Hindu

Date: 15-09-2011 | Edition: Delhi | Page: 03

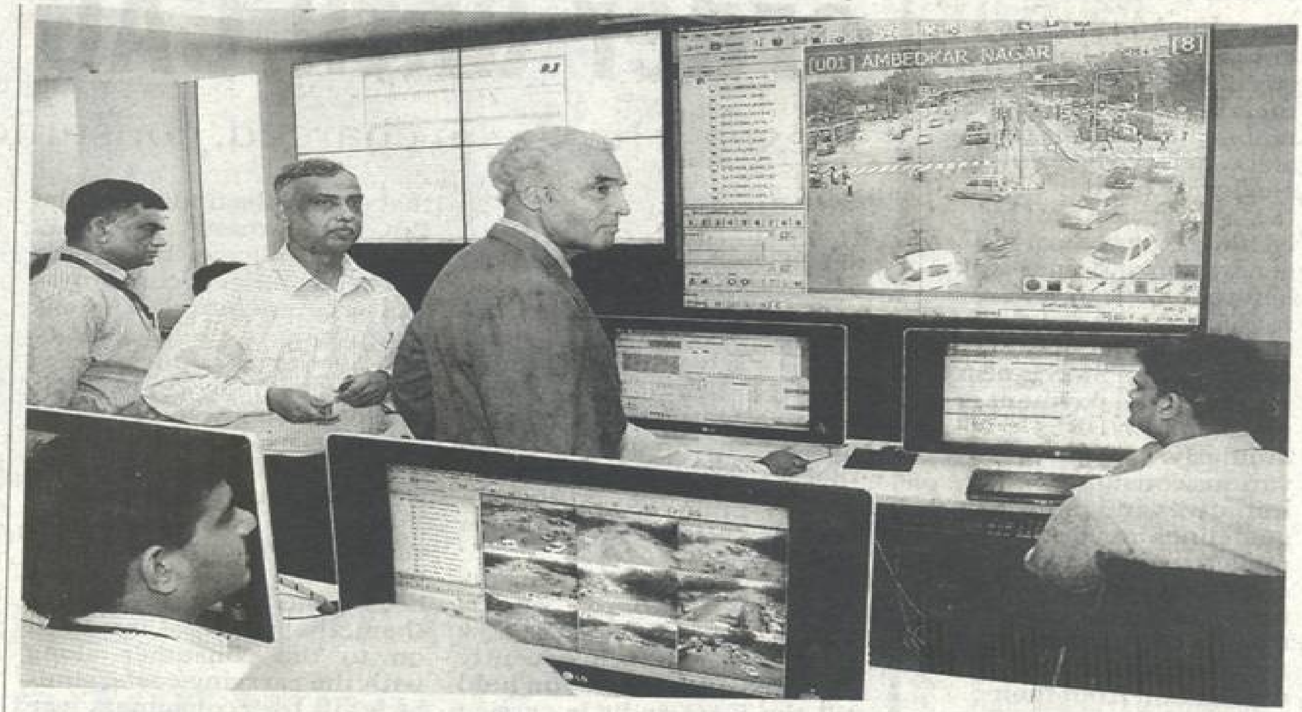

SHAPING THE FUTURE: *Lt.-Governor Tejendra Khanna inspecting the operations control centre of the Delhi Integrated Multi-modal Transit System for intelligent signalling system on Wednesday.* - PHOTO: V. V. KRISHNAN

L-G for installation of Intelligent Signalling System across Delhi

Special Correspondent

NEW DELHI: Delhi Lieutenant-Governor Tejendra Khanna on Wednesday suggested installation of the Intelligent Signalling System and cameras at all the junctions in Delhi saying it would help a great deal in streamlining the traffic management in the city.

Mr. Khanna made the observation during a visit to the Operations Control Centre set up by Delhi Integrated Multi-Modal Transit System Limited at ISBT Kashmere Gate.

During his first visit to the OCC, Mr. Khanna was briefed about the five main projects that are connected to the centre. The OCC helps in the efficient management of traffic flow, monitoring of the Bus Rapid Transit (BRT) corridor as well as the bus clusters through the integration of various transportation technologies like Intelligent Signalling System (ISS) and Automatic Vehicle Location System (AVLS).

The OCC, he was told, allows for the control and monitoring of traffic through the ISS installed on the BRT corridor. The 24 cameras installed at the 17 junctions provide live feeds to the control centre of all activity on the corridor, thus paving the way for recording of violations and incidents.

He was also told that the Global Positioning System installed on the cluster buses transfers continuous data on the location of the cluster buses to the OCC. This apart, the Centre also stores data captured on the Electronic Ticketing Machines (ETM) as well as the newly introduced e-challan machines.

The Statesman

Date: 15-09-2011 | Edition: Delhi | Page: 03

L-G visits OCC, praises steps taken to improve traffic

statesman news service

NEW DELHI, 14 SEPT: Delhi's Lieutenant Governor Mr Tejendra Khanna today visited the Operations Control Centre and praised the effort of the Delhi Integrated Multi-Modal Transit System (DIMTS) which is credited to have set up a mechanism to improve and monitor traffic through integration of various transportation technologies. The centre was inaugurated by the Chief Minister, Mrs Sheila Dikshit, seven months back.

On his first visit to the OCC, the L-G was briefed about the five main projects associated with the Centre. The OCC helps in the efficient management of traffic flow, monitoring of the BRT corridor as well as the bus clusters through the integration of various transportation technologies like Intelligent Signaling System and Automatic Vehicle Location System.

"I am impressed and satisfied with the entire set-up and the efforts involved into it," said Mr Khanna, adding that the traffic police should also work hand in hand to put e-challan system in place and avoid any violation caused by the drivers.

The OCC allows monitoring of traffic through the Intelligent Signaling System installed on the BRT corridor. The 24 cameras installed at each of the 17 junctions provide live feeds to the control centre of all activities on the corridor. The GPS installed on the cluster buses transfer continuous data about the location of the cluster buses to the OCC.

Amar Ujala

Date: 15-09-2011 | Edition: Delhi | Page: 03

अमर उजाला

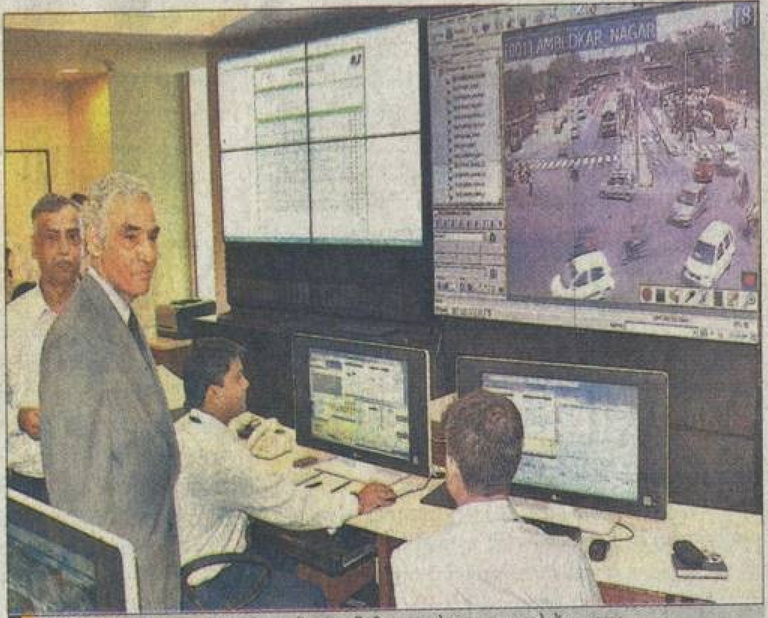

डीम्ट्स के ऑपरेशनल कंट्रोल डाटा सेंटर का निरीक्षण करते उपराज्यपाल तेजेंद्र खन्ना।

ऑपरेशनल कंट्रोल डाटा सेंटर की जरूरत : एलजी

अमर उजाला ब्यूरो

- आईएसबीटी परिसर सेंटर का जायजा लेने पहुंचे तेजेंद्र खन्ना
- पल-पल की घटना को कैद करता है डीम्ट्स का डाटा सेंटर

नई दिल्ली। आतंकी घटना के बाद तीसरी आंख की जरूरत बढ़ गई है। आते-जाते सब पर नजर रखने के लिए इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी सिस्टम की आवश्यकता है। इसे लेकर डीम्ट्स का ऑपरेशनल कंट्रोल डाटा सेंटर भी तैयार है। डाटा सेंटर में पूरी दिल्ली के सीसीटीवी कैमरे को एक जगह से मॉनीटर करने की क्षमता है। फिलहाल डाटा सेंटर का बीआरटी कॉरिडोर और ई-चालान के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा रहा है।

आईएसबीटी परिसर इस सेंटर का जायजा लेने मंगलवार को उपराज्यपाल तेजेंद्र खन्ना पहुंचे। उन्होंने ने इसकी उपयोगिता की सराहना करते हुए कहा कि दिल्ली के ट्रैफिक सिस्टम को मॉनीटर करने के लिए इस तरह के सेंटर की बेहद आवश्यकता है। इस तरह के इंटेलिजेंट सिग्नलिंग सिस्टम और कैमरे दिल्ली के सभी जगहों पर लग जाए तो ट्रैफिक मैनेजमेंट में काफी सहायक होगा। डीम्ट्स के अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल इसे बीआरटी कॉरिडोर के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। वहां 17 जंक्शन पर 24 कैमरे लगाए गए है और आईएसबीटी स्थित सेंटर से ही मॉनिटर किया जा रहा है। इसके साथ ही ई-चालान का पूरा रिकार्ड इस सेंटर में मौजूद है। अगर आप बार-बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते हैं तो आपका पूरा रिकार्ड यहां उपलब्ध रहता है। इतना ही नहीं अगर बीआरटी कॉरिडोर के आसपास किसी तरह की घटना होती है तो कैमरे इतने कारगर है कि बारीक से बारीक चीजों को भी बता सकते हैं। इस एकीकृत सेंटर में इंटेलिजेंट सिग्नलिंग सिस्टम, ऑटोमेटेड व्हीकल लोकेशन, ऑटोमेटेड फेयर कलेक्शन, बीआरटी ऑपरेशन और बस कनेक्शन ऑपरेशन का संचालन किया जा रहा है।

Danik Jagran

Date: 15-09-2011 | Edition: Delhi | Page: 17

उपराज्यपाल ने लिया परिवहन व्यवस्था की निगरानी का जायजा

कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डे में बने ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर का निरिक्षण करते उपराज्यपाल तजेंद्र खन्ना।

नई दिल्ली, जागरण संवाददाता : उपराज्यपाल तजेंद्र खन्ना ने बुधवार को आइएसबीटी स्थित डिम्ट्स (दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल ट्रांजिट सिस्टम) कार्यालय में दिल्ली परिवहन व्यवस्था की मॉनिटरिंग का जायजा लिया। उन्होंने विभागीय तकनीक के बारे में जानकारी ली। इंटेलीजेंट सिग्नलिंग सिस्टम और जीपीएस मॉनिटरिंग की उपराज्यपाल ने तारीफ भी की। उन्होंने ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) से दिल्ली में डिम्ट्स द्वारा बिछाए गए तकनीकी जाल और उससे मिल रही सूचनाओं की पारदर्शिता को देखा। इस मौके पर डिम्ट्स के प्रबंध निदेशक संजीव सहाय भी मौजूद थे।

सहाय ने उपराज्यपाल को बताया कि यहां से दिल्ली के यातायात की गति, बीआरटी कॉरिडोर की मॉनिटरिंग, बसों में लगे जीपीएस से उनके परिचालन की स्थिति को देखा जा सकता है। यहां से मॉनिटर किए जा रहे इंटेलीजेंट सिग्नलिंग सिस्टम के माध्यम से बीआरटी पर यातायात की आवाजाही सुगम हुई है। उपराज्यपाल तजेंद्र खन्ना ने कहा कि इंटेलीजेंट सिग्नलिंग तकनीक से यातायात व्यवस्था में काफी सुधार हो सकता है। जिस मार्ग पर यातायात का ज्यादा दबाव होगा, वहां सिग्नल हरा रहेगा और जहां दबाव कम होगा, वहां स्वतः ही सिग्नल लाल हो जाएगा।

डिम्ट्स प्रवक्ता स्मिता मैथ्यू ने बताया कि बीआरटी कॉरिडोर के 17 जंक्शन पर अभी चौबीस जगह कैमरे लगाए गए हैं। इन जंक्शन पर इंटेलीजेंट सिग्नलिंग की व्यवस्था है। डिम्ट्स की सभी सौ बसों में जीपीसी लगा है और ई-टिकटिंग व्यवस्था लागू है। जल्द ही हम ई-चालान मशीनें भी लाएंगे। इससे यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान की कार्रवाई जल्द होगी और नियम तोड़ने वाले का एक सटीक डाटा तैयार हो सकेगा।

Danik Bhaskar

Date: 15-09-2011 | Edition: Delhi | Page: 02,03

उपराज्यपाल ने ओसीसी के काम के तरीकों की जानकारी ली

कश्मीरी गेट आईएसबीटी स्थिति ओसीसी में यातायात पर निगाह रखने के तरीके को समझते उपराज्यपाल तेजिंदर खन्ना।

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तेजिंदर खन्ना ने कश्मीरी गेट स्थित ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) के जरिए बीआरटी कॉरिडोर से गुजर रहे यातायात को देखा। इसके अलावा, ओसीसी के काम करने के तरीके को भी समझा। उपराज्यपाल करीब ग्यारह बजे ओसीसी पहुंचे। यहां पर उनका स्वागत डिम्ट्स के प्रबंध निदेशक संजीव सहाय ने किया। ओसीसी को डिम्ट्स ही चला रहा है। ओसीसी फिलहाल पांच अलग-अलग प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इसमें यातायात के सुचारु संचालन, बीआरटी कॉरिडोर पर निगाह, क्लस्टर बसों की निगरानी, ईटीएम और ई-चालान शामिल है। खन्ना ने दिल्ली के यातायात पर निगाह रखने की हाईटेक तकनीक को अपनाने लिए डिम्ट्स अधिकारियों की तारीफ की। बीआरटी कॉरिडोर में 24 कैमरे 17 जगहों पर लगे हैं। इसके जरिए यातायात पर चौबीस घंटे ओसीसी में बैठे अधिकारी निगाह रखते हैं। साथ ही, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाली गाड़ियों की फोटो लेकर चालान के लिए परिवहन मुख्यालय में भेज देते हैं। यहीं से क्लस्टर बसों में लगे जीपीएस सिस्टम के जरिए भी बसों की निगरानी होती है। इनमें बसों में इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन (ईटीएम) से टिकट दिया जाता है। जैसे ही ईटीएम से टिकट कटता है ओसीसी में उसका पूरा ब्यौरा दर्ज हो जाता है। साथ ही, दिल्ली पुलिस द्वारा हाल ही में शुरू की गई ई-चालान की सुविधा का भी पूरा डाटा ओसीसी में रहता है। इस मौके पर ट्रैफिक पुलिस ज्वाइंट कमिश्नर सत्येंद्र गर्ग भी मौजूद थे।

Rastriya Sahara

Date: 15-09-2011 | Edition: Delhi | Page: 03

सभी 761 सिग्नल पर इंटेलीजेंट सिग्नल सिस्टम लगाने के निर्देश

नई दिल्ली (एसएनबी)। उपराज्यपाल तेजेन्द्र खन्ना ने राजधानी के सभी 761 रेड लाइट सिग्नल पर इंटेलीजेंट सिग्नल सिस्टम लगाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बुधवार को दिल्ली इंटीग्रेटिड मल्टी मॉडल ट्रांजिट सिस्टम (डीम्टस) के आपरेशन कंट्रोल सिस्टम का निरीक्षण किया और पूरी दिल्ली में यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने व आवश्यक सुधार करने पर बल दिया।

डीम्टस द्वारा बीआरटी पर इंटेलीजेंट सिग्नल सिस्टम लगाने के साथ-साथ सभी लोफ्लोर बसों पर जीपीएस भी लगाया जा चुका है। आईटीएस के जरिए यातायात पर नजर रखने तथा जीपीएस के जरिए बसों के संचालन पर नजर रखने के लिए डीम्टस द्वारा कश्मीरी गेट आईएसबीटी स्थित डीम्टस कार्यालय में आपरेशन कन्ट्रोल सेंटर बनाया गया है। इस सेंटर का निरीक्षण करने के लिए उपराज्यपाल तेजेन्द्र खन्ना भी बुधवार सवेरे वहां पहुंचे। इस दौरान वहां मौजूद डीम्टस के प्रबंध निदेशक एसएन सहाय तथा अन्य अधिकारियों ने आपरेशंस कन्ट्रोल सेंटर में यातायात निगरानी, ई-चालान, आटोमैटिक टिकिटंग मशीनों के बारे में सिलसिलेवार जानकारी दी।

▶ उपराज्यपाल ने किया डीम्टस के आपरेशंस कन्ट्रोल सेंटर का निरीक्षण

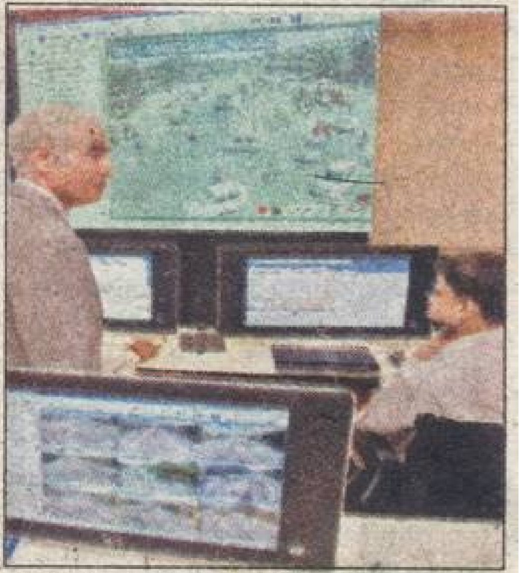

निरीक्षण के दौरान उपराज्यपाल तेजेन्द्र खन्ना डीम्टस द्वारा बनाये गये आपरेशंस सेंटर की कार्यप्रणाली को देखकर काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि भविष्य में राजधानी के सभी रेड लाइट जंक्शन पर इंटेलीजेंट सिग्नल सिस्टम लगाया जाना चाहिए तथा जंक्शन पर कैमरे भी लगाये जाएं। उन्होंने कहा कि इंटेलीजेंट सिग्नल सिस्टम तथा कैमरे लगाये जाने से राजधानी के यातायात प्रबंधन में सहायता मिलेगी।

इस दौरान डीम्टस अधिकारियों ने उन्हें बताया कि बीआरटी कोरीडोर के सभी 17 जंक्शन पर इंटेलीजेंट सिग्नल सिस्टम लगाया गया है। प्रत्येक जंक्शन पर कैमरे लगाये हैं। उन्होंने बताया कि बीआरटी पर कुल 24 कैमरे लगाये गये हैं जो सीधे आपरेशंस सेंटर से जुड़े हैं। इन कैमरों के जरिए बीआरटी पर यातायात नियमों के उल्लंघन तथा अन्य घटनाओं को रिकार्ड किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कलस्टर बसों पर भी जीपीएस के जरिए आपरेशंस केन्द्र में निगरानी रखी जाती है। इन बसों में इलेक्ट्रानिक टिकट मशीनों के जरिए होने वाली टिकटों की बिक्री की जानकारी भी तत्काल आपरेशंस केन्द्र में उपलब्ध होती है।

Navbharat Times

Date: 15-09-2011 | Edition: Delhi | Page: 17

डिम्ट्स के कंट्रोल सेंटर पहुंचे एलजी

वरिष्ठ संवाददाता || कश्मीरी गेट

उपराज्यपाल तेजेंद्र खन्ना ने बुधवार को कश्मीरी गेट बस अड्डे पर स्थित दिल्ली सरकार की भागीदारी वाली कंपनी डिम्ट्स (दिल्ली इंटिग्रेटेड मल्टीमॉडल ट्रांजिट सिस्टम) के ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर का दौरा किया। अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस इस कंट्रोल रूम को देखकर एलजी खासे इंप्रेस हुए। डिम्ट्स के अधिकारियों ने एलजी को बताया कि इस कंट्रोल रूम से किस तरह, किस लेवल पर, कितनी तरह के कामों को अंजाम दिया जाता है।

एलजी बुधवार सुबह 11 बजे यहां पहुंचे और करीब एक घंटे तक यहां रुके। इस दौरान डिम्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर एस.एन. सहाय व अन्य अधिकारियों ने एलजी को ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर की विभिन्न खूबियों से अवगत कराया। एजी ने यहां लगी स्क्रीन पर देखा कि अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों के जरिए किस तरह इस कंट्रोल सेंटर से बैठे बैठे ही बीआरटी कॉरिडोर पर हो रही हर गतिविधि पर नजर रखी जाती है, जीपीएस से लैस डीटीसी व क्लस्टर बसों के मूवमेंट को किस तरह ट्रैक किया जाता है और बीआरटी पर लगे इंटेलिजेंट सिग्नलिंग सिस्टम को किस तरह ऑपरेट किया जाता है।

[कश्मीरी गेट बस अड्डे की इमारत में है यह सिस्टम]

Hindustan

Date: 15-09-2011 | Edition: Delhi | Page: 03, 05

इंटेलीजेंस सिस्टम देगा जाम से निजात

राजधानी में यातायात की वजह से लगने वाले जाम से छुटकारा दिलाने के लिए बीआरटी कॉरिडोर की तरह इंटेलीजेंस सिस्टम के इस्तेमाल का आदेश उपराज्यपाल ने दिया है।

पेज 5

लगाए जाएंगे इटेंलिजेंस सिस्टम

नई दिल्ली। राजधानी में बढ़ते यातायात की वजह से लगने वाले जाम से छुटकारा दिलाने के लिए बीआरटी कॉरिडोर पर इस्तेमाल किए जा रहे इंटेलिजेंस सिस्टम का प्रयोग किया जाना चाहिए। इस सिस्टम की मदद से निगरानी सख्त होगी और मार्गों को जाम से छुटकारा मिल सकेगा। बीआरटी कॉरिडोर पर लागू की गई व्यवस्था से रूबरू होने के बाद उपराज्यपाल तेजेंद्र खन्ना ने ये आदेश दिए। दिल्ली में करीब 761 ट्रैफिक जंक्शन है। बीआरटी कॉरिडोर पर सामने आ रही यातायात उल्लंघन की शिकायतों के बाद यह सिस्टम देखने के लिए उपराज्यपाल कश्मीरी गेट बस अड्डे पहुंचे थे। कॉरिडोर प्रतिदिन करीब 25 से 30 यातायात नियम उल्लंघन के मामले पकड़े जाते हैं।